Recommendation of Study Report of Commonwealth Secretariat for Specialised set up in Tourism Department

†

*284. SHRIMATI PARVATI DEVI:

SHRI UGRASEN.

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state

(a) whether it is a fact that in a study sponsored by the Commonwealth Secretariat some recommendation had been made for a specialised set-up in the tourism department to tap the potential of tourist traffic;

(b) if so, the details thereof, and

(c) what action is proposed by Government thereon?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक): (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

श्रीमती पार्वती देवी: मंत्री महोदय ने कहा कि उन्होंने सेल बनाने के लिए नहीं कहा तो मैं जानना चाहती हूं कि क्या कोई अन्य सुझाव दिये गये थे? पर्यटकों की सुविधा के लिए क्या सुझाव दिये गये थे और सरकार ने उन पर क्या कार्यवाही की है?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक: केन्द्रीय पर्यटन विभाग की तरफ से कामनवेल्थ सेक्रेटरियेट से कोई निवेदन नहीं किया गया था कि वह वहां सर्वे करे। लेकिन कश्मीर सरकार के आग्रह पर डिपार्टमेंट आफ इकोनोमिक अफेयर्स, मिनिस्ट्री आफ फाइनेंस ने एक सर्वे कराया था और उसकी कुछ सिफारिशें आयी थी। किन्तु सवाल यह पूछा गया है कि क्या डिपार्टमेंट आफ टूरिजम के बारे में कोई सिफारिश की थी। यह जो समिति बनी थी उसने डिपार्टमेंट आफ टूरिजम के बारे में कोई सिफारिश नहीं की है। इसलिए सवाल का यह जवाब दिया गया है। कश्मीर के बारे में, उसके एडमिनिस्ट्रेटिव सैट अप के बारे में कुछ सिफारिशें की हैं। वे सिफारिशें कश्मीर गवनमेंट के पास पड़ी हैं और उनका वह अध्ययन कर रही है। हमें उन पर उसके कोई कमैंट्स नहीं मिले हैं। इसलिए हम इस समय उसके बारे में कुछ नहीं कह सकते हैं।

•

श्रीमती पार्वती देवी: क्या यह सच है कि कश्मीर राज्य में और विशेष तौर पर लद्दाख में काफी टूरिस्ट कामनवेल्थ देशों से आते हैं? वहां पर्यटकों की सुखसुविधा के लिए क्या केन्द्रीय सरकार की ओर से किए जा रहे हैं?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक: कामनवेल्थ सेक्रेटेरिएट ने क्या सिफारिशें की हैं और उन सिफारिशों पर क्या अमल हुआ है उसका जवाब मैंने दे दिया है।

MR SPEAKER It does not arise If you have the information you can give.

श्री उग्रसेन: मंत्री महोदय के उत्तर से लगता है कि इनके मंत्रालय ने कुछ गूढ़ बातें छिपा रखी हैं क्योंकि 'जी नहीं' 'प्रश्न नहीं उठता' 'प्रश्न नहीं उठता' यही जवाब वह न देते। मंत्री महोदय ने स्वयं अभी कहा है कि कश्मीर सरकार की तरफ से जो अध्ययन दल बना था उसने कुछ सिफारिशें की थी लेकिन हमें उनके बारे में बताया नहीं गया है। प्रश्न यह है कि राष्ट्रमंडल सचिवालय द्वारा एक स्टडी टीम आई, अध्ययन दल बना था और उसने क्या कहा। जब विदेशी अतिथि आते हैं हमारे यहां घूमने के लिए तो वे तीर्थ स्थान देखने के लिए भी जाते हैं, कश्मीर भी जाते हैं, लखनऊ

तिरुपति मंदिर, वाराणसी आदि जाते हैं। उनको कुछ तकलीफें भी होती हैं, कष्टों का सामना भी करना पड़ता है। मैं यह जानना चाहता हूं कि छठी योजना में पुराने तौर तरीकों में क्रान्तिकारी परिवर्तन लाने के लिए और विदेशी यात्रियों तथा दूसरे जो तीर्थ यात्री आते हैं और वे तीर्थ स्थानों को जाते हैं उनकी सुख सुविधा के लिए कौन कौन से मुख्य और नए सुझाव मंत्री महोदय को उनके मंत्रालय ने दिए है ?

MR. SPEAKER. He does not know. The Kashmir Government has not sent the paper to him.

श्री उग्र सेन : मंत्री महोदय के उत्तर से यह पैदा होता है।

MR. SPEAKER: He has already answered that question

श्री उग्र सेन : जो लोग घूमने के लिए आते हैं उनको सुख सुविधायें देने का यह सवाल है, उनके यातायात के सम्बन्ध में और उनको क्या सुविधायें मिलें, उसके सम्बन्ध में यह सवाल है । मैं सिफारिशों के बारे में पूछना चाहता हूं। अब तक जो सुख सुविधायें दी जा रही थी वे नाकाफी थीं। छठी योजना में इसमें कौन से क्रान्तिकारी परिवर्तन आप करने जा रहे हैं यह मैंने पूछा है। मंत्री महोदय ने स्वयं कहा है कि राष्ट्र मंडलीय स्कडी टीम की सिफारिशों को इन्होंने नहीं देखा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि छठी योजना में इन टूरिस्ट्स के लिए आप कौन कौन सी सुख सुविधाओं की और व्यवस्था करने जा रहे हैं, जो अभी उपलब्ध हैं उन में कौन से क्रान्तिकारी परिवर्तन करने जा रहे है ?

MR SPEAKER: The question is totally different.

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : माननीय सदस्य बिना पूर्व सूचना दिए अचानक कोई दूसरा ही सवाल खड़ा कर दें तो उसका जवाब देना सम्भव नहीं हो सकता है। प्रश्न यह किया गया था : कामनवेल्थ सचिवालय द्वारा कोई सर्वे करवाया गया था या नहीं। मैंने निवेदन किया है कि चूंकि सैंट्रल डिपार्टमेंट आफ टूरिज्म से सम्बन्धित नहीं था इसलिए जवाब दिया गया था कि नहीं। लेकिन यह भी मैंने निवेदन किया है कि काश्मीर के बारे में सर्वे हुआ था। जो सर्वे हुआ था उसकी कोई रिपोर्ट हमें नहीं मिली है। माननीय सदस्य का सवाल आया और इसमें कामनवेल्थ सेक्रेटेरियट का जिक्र किया गया तो इस सवाल के आने के बाद जो एक रिपोर्ट हमें मिली है उसकी जो सिफारिशें है उनका मैं बता सकता हूं। करीब 22 सिफारिशें हुई है। मैं इसलिए नहीं बताना चाहता था क्योंकि मुख्य तौर पर ये काश्मीर सरकार से सम्बन्धित है। जब तक अधिकृत रूप से काश्मीर सरकार की तरफ से उनका अध्ययन करने के बाद हमें कोई कमैंट्स नहीं मिल जाते हैं या रिपोर्ट नहीं मिल जाती है या उसकी क्या प्रतिक्रिया है इसका पता नहीं चल जाता है तब तक हमारी तरफ से कोई कमैंट्स देना ठीक नहीं होगा।

श्री उग्र सेन : सिफारिशें कौन कौन सी हैं यह तो बता दें। काश्मीर सरकार को क्या सिफारिश की गई है यह तो बता दें।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : सिफारिशें करीब 22 है। मुख्य सिफारिशें मैं बता देता हूं।

एक तो यह की है कि काश्मीर में जो ट्रेडीशनल टूरिस्ट एट्रेक्शन्स, श्रीनगर, पहलगाव, गुलमर्ग हैं इनके अलावा कारगिल और लेह (लद्दाख) को भी शामिल किया जाना चाहिए।

दूसरे कहा था कि काश्मीर में अभी तक जो टूरिस्ट्स का जो छ महीने का टूरिस्ट सीजन है इसको नौ महीने किया जाना चाहिए। तीसरे उन्होंने यह कहा था कि श्रीनगर से लेह के लिये एक हवाई जहाज सेवा को सर्दी में शुरू किया जाना चाहिये ताकि पर्यटक वहां तक जा सकें। चौथी बात उन्होंने यह कही है कि विदेशी टूरिस्ट्स जो चीजें खरीदते हैं उन वस्तुओं की जो वहां कीमतें हैं उन पर कंट्रोल होना चाहिये। एक उन्होंने बात यह भी कही है कि वहां की जो लेक्स नदियां और सरोवर आदि है और शहर है उनकी सफाई होनी चाहिए। यह भी कहा था कि जो उनके सूचना केन्द्र हैं उनको और विस्तृत करने की जरूरत है ताकि समुचित रूप से सूचना जल्दी मिल जायें और पर्यटन से सम्बन्धित सूचनाओं को पब्लिश कर के ज्यादा से ज्यादा विदेशों में भेजा जायें।

श्री सोमजी भाई डामोर : अध्यक्ष जी, हमने अभी कश्मीर की यात्रा की थी तो हमने देखा कि कश्मीर में जो पहले से है वही है पहले के ही पेड लगे हुए हैं नए कोई नहीं रास्तों पर लगाये गये, कोई नए रास्ते नहीं और कोई सुविधा नहीं है, यहां तक कि टैक्सी और रिक्शा वाले सभी लूटते हैं यात्रियों को चाहे वह यात्री विदेशी हो या देश के हों, यहां तक कि दूकानदार यात्रियों को लूटते हैं कोई नया काम वहां नहीं बनता है, यह जो सब के मन में छाप है

MR SPEAKER The question is different It does not arise This has nothing to do with the question

चौधरी बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि टूरिस्ट्स के लिये जो पैमफ्लेट्स छापे जाते है क्या मंत्री जी ने उनको पढ़ा है? उसमें इतने अशलील ढंग से हिन्दुस्तान को पेश किया जाता है कि शर्म आती है। तो क्या इसको आप रोकेंगे, इस किस्म के लिट्रेचर को छपने से रोकेंगे जिससे हिन्दुस्तान की जो सभ्यता है उसको आघात पहुंचता है।

अध्यक्ष महोदय : यह प्रश्न इसमें कैसे उठता है।

चौधरी बलबीर सिंह टूरिज्म के नाम पर कुछ सुझाव अगर कामनवेल्थ वाले दें या इस सदन के सदस्य दें तो उसमें क्या हर्ज है। मेरा कहने का मतलब यह है कि यह जो लिट्रेचर में कहा जाता है कि वहां पर आपको ब्यूटी मिलेगी इस किस्म की बात लिट्रेचर में होती हैं जिसको देख कर शर्म आती है। डिपार्टमेंट वालों को पता नहीं। मैं चाहूंगा कि इस किस्म का जिस ढंग से टूरिस्ट को ऐनकरेज करने के लिए जो पैमपलेट छापे जाते है इनको आप देखें कि उनमें हिन्दुस्तान की सभ्यता का ख्याल रखा जाय।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : यह बात सही नहीं है कि अशलील तरीके से हिन्दुस्तान के द्वारा विदेशी टूरिस्ट्स को आकर्षित करने की कोशिश की जाती है। यह माना जा सकता है कि जो ब्रोशर्स निकलते हैं उनमें सुधार की आवश्यकता हो सकती है इस बात को ले कर कि जो अंग छूट गये है हमारे देश के कल्चर और सिविलाइजेशन के उनका उल्लेख उन ब्रोशर्स में किया जा सकता है। लेकिन यह बिल्कुल नितांत असत्य है और मैं इसको स्वीकार नहीं करता हूं कि कोई अशलील तरीके से हिन्दुस्तान की इमेज को प्रोजेक्ट करने की कोशिश की जाती है।